३: हिमालय की बेटियां

प्रश्नावली

लेख से

प्रश्न 1. नदियों को मां मानने की परंपरा हमारे यहां काफ़ी पुरानी है। लेकिन लेखक नागार्जुन उन्हें और किन रूपों में देखते हैं?

प्रश्न 2. सिंधु और ब्रह्मपुत्र की क्या विशेषताएं बताई गई हैं?

प्रश्न 3. काका कालेलकर ने नदियों को लोकमाता क्यों कहा है?

प्रश्न 4. हिमालय की यात्रा में लेखक ने किन -किन की प्रशंसा की है?

लेख से आगे

प्रश्न 1. नदियों और हिमालय पर अनेक कवियों ने कविताएं लिखी हैं। उन कविताओं का चयन कर उनकी तुलना पाठ में निहित नदियों के वर्णन से कीजिए।

प्रश्न 2. गोपालसिंह नेपाली की कविता ' हिमालय और हम ', रमधारिसिंह 'दिनकर ' की कविता ' हिमालय ' तथा जयशंकर प्रसाद की कविता ' हिमालय के आंगन में ' पढ़िए और तुलना कीजिए।

प्रश्न 3. यह लेख 1947 में लिखा गया था। तब से हिमालय से निकलनेवाली नदियों में क्या - क्या बदलाव आए हैं?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न 4. अपने संस्कृत शिक्षक से पूछिए कि कालिदास ने हिमालय को देवात्मा क्यों कहा है?

<u>अनुमान और कल्पना</u>

प्रश्न 1. लेखक ने हिमालय से निकलनेवाली नदियों को ममता भरी आंखों से देखते हुए उन्हें हिमालय की बेटियां कहा है। आप उन्हें क्या कहना चाहेंगे? नदियों की सुरक्षा के लिए कौन – कौन से कार्य हो रहे है? जानकारी प्राप्त करें और अपना सुझाव दें।

प्रश्न 2. नदियों से होनेवाले लाभों के विषय में चर्चा कीजिए और इस विषय पर बीस पंक्तियों का निबंध लिखिए।

<u>भाषा की बात</u>

प्रश्न 1. अपनी बात कहते हुए लेखक ने अनेक समानताएं प्रस्तुत की हैं। ऐसी तुलना से अर्थ अधिक स्पष्ट एवं सुंदर बन जाता है। उदाहरण –

(1) संभ्रांत महिला की भांति वे प्रतीत होती थीं।
(2) मां और दादी, मौसी और मामी की गोद की तरह उनकी धारा में डुबकियां लगाया करता।

- अन्य पाठों से ऐसे पांच तुलनात्मक प्रयोग निकालकर कक्षा में सुनाइए और उन सुंदर प्रयोगों को कॉपी में भी लिखिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न 2. निर्जीव वस्तुओं को मानव – संबंधी नाम देने से निर्जीव वस्तुएं भी मानो जीवित हो उठती हैं। लेखक ने इस पाठ में कई स्थानों पर ऐसे प्रयोग किए हैं, जैसे –

(1)परन्तु इस बार जब मै हिमालय के कंधे पर चढ़ा तो वे कुछ और रूप सामने थीं।

(2)काका कालेलकर ने नदियों को लोकमाता कहा है।

• पाठ में इसी तरह के और उदाहरण ढूंढिए।

प्रश्न 3. पिछली कक्षा में आप विशेषण और उसके भेदों से परिचय प्राप्त कर चुके हैं।

नीचे दिए गए विशेषण और विशेषय (संज्ञा) का मिलान कीजिए।

. विशेषण	विशेषय
संभ्रांत	वर्षा
चंचल	जंगल
समतल	महिला
घना	नदियां
मूसलाधार	आंगन

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न 4. द्वंद्व समास के दोनों पद प्रधान होते है। इस समास में ' और ' शब्द का लोप हो जाता है, जैसे

राजा – रानी द्वंद्व समास है जिसका अर्थ है राजा और रानी । पाठ में कई स्थानों पर द्वंद्व समासों का प्रयोग किया गया है।

इन्हे खोजकर वर्णमाला क्रम (शब्दकोश शैली) में लिखिए।

प्रश्न 5. नदी को उल्टा लिखने से दीन होता है जिसका अर्थ होता है गरीब। आप भी पांच ऐसे शब्द लिखिए जिसे उल्टा लिखने पर सार्थक बन जाए। प्रत्येक शब्द के आगे संज्ञा का नाम भी लिखिए, जैसे नदी – दीन

(भाववाचक संज्ञा)

प्रश्न 6. समय के साथ भाषा बदलती है, शब्द बदलते हैं और उनके रूप बदलते हैं, जैसे – बेतवा नदी के नाम का दूसरा रूप ' वेत्रवती ' है। नीचे दिए गए शब्दों में से ढूंढ़कर इन नामों के अन्य रूप लिखिए ।

सतलुज

रोपड़

झेलम

चिनाब

अजमेर

बनारस

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न 7. उनके खयाल में शायद ही यह बात आ सके की बूढ़े हिमालय की गोद में ये बच्चियां बनकर कैसे खेला करती हैं।

• उपर्युक्त पंक्ति में ' ही ' के प्रयोग की ओर ध्यान दीजिए। ' ही ' वाला वाक्य नकारात्मक अर्थ दे रहा है। इसलिए ही वाले वाक्य में कही गई बात को हम ऐसे ही भी नहीं कह सकते है उनके खयाल में शायद यह बात न आ सके।

• इसी प्रकार नकारात्मक प्रश्नवाचक वाक्य कई बार ' नहीं ' के अर्थ में इस्तेमाल नहीं होते हैं, जैसे महात्मा गांधी को कौन नहीं जानता ? दोनों प्रकार के वाक्यों के समान तीन तीन उदाहरण सोचिए और इस दृष्टि से उनका विश्लेषण कीजिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उत्तर

<u>लेख से</u>

उत्तर 1– सदियों से हमारे भारत देश में प्रकृति को वरदान माना गया है, नदी, पवन, जल इन सभी प्राकृतिक देनों की पूजा की जाती है। नदियों को मां का स्थान दिया गया है, लेखक नागार्जुन नदियों को और भी कई रूपों में देखते है। लेखक नागार्जुन नदियों को मां के साथ – साथ इन्हें बेटी, प्रेयसी तथा बहन के रूप में देखते हैं।

उत्तर 2– लेखक ने सिंधु तथा ब्रह्मपुत्र नदियों को बहुत महत्वपूर्ण नदियां बताया है क्योंकि इन नदियों के साथ हिमालय से निकली अन्य नदियों का नाम भी जुड़ जाता है। इन नदियों का नाम लेने पर हिमालय से निकली अन्य सभी नदियों की तस्वीर आंखों के सामने आ जाती है। हिमालय से निकलकर पिघली हुई एक एक बूंद से मिलकर ये दोनों नदियां बनी हैं। इन दोनों नदियों को महानदी कहा जाता है।उस समुद्र को बहुत सौभाग्यशाली माना जाता है जिस समुद्र में जाकर ये दोनों नदियां मिलती हैं।

उत्तर 3– काका कालेलकर ने नदियों लोकमाता कहा है क्योंकि नदियां हमारे जीवन के लिए बहुत उपयोगी है। नदियों से हमें जल प्राप्त होता है। इनका जल बहुत ही शुद्ध तथा पवित्र होता है। जहां जहां से ये नदियां गुजरती है , वहां हरियाली तथा समृद्धि फैलाती हैं।सभी को जीवन प्रदान करती हैं। इन्हीं नदियों के जल से हम आधुनिक उपकरण बनाने में सफल हुए है। नदियों के जल से ही बिजली बनती है। यदि नदियां ना होती तो किसानों के लिए खेती करना संभव नहीं होता तथा सभी की

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

भोजन प्राप्त करने की मूल समस्या का समाधान संभव नहीं हो पाता। नदियां हमारी माता की तरह हमें मातृत्व देती हैं। हमें भी माता की तरह नदियों का सम्मान करना चाहिए , इनकी पूजा करनी चाहिए।

उत्तर 4– हिमालय की यात्रा का वर्णन करते हुए लेखक नागार्जुन ने बर्फ से ढकी पहाड़ियों की, छोटे छोटे पौधों से भरी घाटियों की , पहाड़ों के बीच उन्नत हुई उपजाऊ भूमि की प्रशंसा की है। इनके अतिरिक्त लेखक ने चीड़, चिनार, देवदार जैसे वृक्षों के जंगलों का वर्णन भी किया है।

लेख से आगे

उत्तर 1– नदियों तथा हिमालय पर कई कविताएं लिखी गई है। हिमालय विषय पर गोपालसिंह ने ' हिमालय और हम 'कविता लिखी है। जय शंकर प्रसाद ने कविता 'हिमालय के आंगन में ' लिखी है। रामधारी सिंह दिनकर जी ने कविता हिमालय लिखी है।

उपुर्युक्ट सभी कविताओं में कवियों ने हिमालय की महानता का वर्णन किया है। यह बताया गया है कि हिमालय पर्वत हमारे देश का ताज है। हिमालय पर्वत की वजह से हम दुश्मनों से सुरक्षित है।

अपने लेख हिमालय की बेटियां में नागार्जुन ने नदियों तथा हिमालय का वर्णन उनमें संबंध दर्शाए हुए किया है। वे नदियों को हिमालय की बेटियां बताते है तथा हिमालय उन्हें एक पिता की तरह सुरक्षा प्रदान करता है।

उत्तर 2- रामधारीसिंह दिनकर ने कविता हिमालय लिखी है। यदि इस कविता की तुलना नागार्जुन द्वारा लिखित निबंध से करें तो हम यह कह

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

सकते हैं कि दिनकर जी ने अपनी कविता में हिमालय की विशालता का वर्णन किया है। वे कहते है कि भारत वासियों का हिमालय से घनिष्ठ संबंध है। भारत में हिमालय कश्मीर से निकलकर कन्याकुमारी तक फैला हुआ है। शिखर से लेकर पाताल तक अपनी जड़े जमाए हुए है।

दूसरी ओर लेखक नागार्जुन ने हिमालय को नदियों के पिता के रूप में दर्शाया है जिसे बदलते हुए वक्त के कारण अपनी बेटियों की चिंता सताए जा रही है।

उत्तर 3– यह लेख 1947 में लिखा गया था। इन नदियों में तब से बहुत बदलाव आए हैं। ये नदियां आज भी हिमालय से निकलती है लेकिन इन नदियों का जल पहले की भांति शुद्ध नहीं रहा। प्रदूषण के कारण ये नदियां अशुद्ध जल लेकर बहती हैं। इन नदियों पर जगह जगह पर बांध बांधे का रहे है। इन नदियों का जल भी कम होता जा रहा है। प्रदूषण के कारण जो पानी पहले अमृत तुल्य हुआ करता था, अब पीने लायक नहीं रहा।

उत्तर 4– कालिदास ने हिमालय को देवात्मा कहा है क्योंकि हिमालय पर्वत पर अनेक ऋषि मुनियों ने तपस्या की है तथा इस पर्वत पर तपस्या कर उन्होंने कई वरदान प्राप्त किए हैं। भगवान शिव का निवास भी इन्हीं पर्वतों के बीच बसे कैलाश पर्वत पर था।

अनुमान और कल्पना

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उत्तर 1– हिमालय से निकलने वाली नदियों को लेखक ने ममता भारी आंखों से देखते हुए उन्हें हिमालय की बेटियां कहा है। लेखक ने इन नदियों को अन्य कई उपमाएं दी है जैसे बहन , प्रेयसी तथा वे कहते है कि इन नदियों ने एक मां की तरह मनुष्य का ललन पालन करती हैं।

नदियों की सुरक्षा के संदर्भ में यह सुझाव दिया जा सकता है की नदियों की स्वछता का ध्यान सभी को रखना चाहिए। नदियों के बिना हम अपने जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते। ये हमारी जीवन दायिनी है इसलिए हमे नदियों में कूड़ा कचरा नहीं डालना चाहिए। घरों से निष्कासित दूषित मल की उपुक्त सुविधा होनी चाहिए। कारखानों से निकलने वाली जहरीली गैसों तथा दूषित जल के निष्कासन की उपयुक्त व्यवस्था होनी चाहिए।

उत्तर 2– नदियां पर्यावरण का एक महत्वपूर्ण भाग है। नदियां मनुष्य की जीवन दायिनी हैं। मनुष्य के जीवन की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता पानी है जो हमें नदी से प्राप्त होता है।खेतों की सिंचाई के लिए आवश्यक पानी हमें नदियों से प्राप्त होता है।घरेलू कार्य तो पानी बिना संभव ही नहीं है। पानी के कारण ही हम जीवित हैं।घर के सभी कार्यों में पानी की आवश्यकता होती है। सुबह उठने से लेकर रात्रि में सोने के समय तक हमें जल की आवश्यकता होती है। नहाने, बर्तन धोने, कपड़े धोने, घर की सफाई यह सभी कार्य नदियों से प्राप्त होने वाले जल से ही पूर्ण होते हैं। मनुष्य क्या, पेड़ – पौधों का जीवन भी नदियों बिना संभव नहीं क्योंकि पेड़ – पौधों के लिए पानी की आपूर्ति भी नदियों के जल से होती है। वृक्षों तथा पौधों कि प्रकाश संश्लेषण क्रिया से ही पौधों तथा वृक्षों को

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

भोजन प्राप्त होता है जो पानी बिना संभव नहीं हैं। जिन जड़ी बूटियों को बहता हुआ पानी छूकर निकलता है तथा वह नदियों में जाकर मिलता है तो तो नदी के जैविक तथा रासायनिक गुण बढ़ जाते हैं।

नदियों के जल से बिजली बनती है। विभिन्न आधुनिक उपकरण बनाने में नदियों के जल का उपयोग होता है। पहाड़ों से बहने वाली नदियों की श्रृंखला औषधिय गुणों से भरपूर होती है। औषधिय गुण तथा अन्य कई उपयोगी के कारण गंगा नदी का महत्वपूर्ण स्थान है। धार्मिक दृष्टि से देखा जाए तो भी गंगा नदी सर्वोच्च स्तर पर है। । शिव जी की जटा से निकली गंगा नदी हरिद्वार में बहती है। लोगों का मानना है कि गंगा में स्नान करने से मनुष्य के पाप धुल जाते हैं। इसी गंगा में नहाकर आज लोगों ने गंगा को अति मैला कर दिया है। गंगा नदी का पानी भी कम हो गया है। हमें चाहिए कि जो नदियां हमारे लिए इतनी उपयोगी है उनकी सुरक्षा का ध्यान भी हम ही रखें । नदियों की समय समय पर सफाई की जानी चाहिए। । नदियों पर हमें बांध नहीं बनाने चाहिए। नदियां हमारे एक माता की तरह लालन पालन करती हैं तो हमारा भी कर्तव्य बनता है कि हम नदियों की देखभाल अच्छी तरह से करें।

भाषा की बात

उत्तर 1–

- बच्चे ऐसे सुंदर थे, जैसे सोने के सजीव खिलौने ।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

• लाल किरण सी चोंच।

• सागर के हिलोरों की भांति उसका स्वर गली गली भर के मकानों तक पहुंचता।

• संदूक खोलकर एक चमकती सी चीज निकाली।

• मेरी आंखों के सामने शीत किरणों के समान स्वच्छ, शीतल सी धुंधली छाया नाच उठती।

उत्तर 2–

• मां और दादी, मौसी और मामी की गोद की तरह उनकी धारा में डुबकियां लगाया करता।

• संभ्रांत महिला की भांति वे प्रतीत होती थी।

• बूढ़े हिमालय की गोद में बच्चियां बनकर ये कैसे खेल करती है।

• हिमालय को ससुर और समुद्र को दामाद कहने में कुछ भी झिझक नहीं होती है।

उत्तर 3-

विशेषण	विशेष्य
संभ्रांत	महिला
चंचल	नदियां
समतल	आंगन

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

घना	जंगल
मूसलाधार	वर्षा

उत्तर 4-

- छोटी – बड़ी
- दुबली - पतली
- भाव – भंगी
- मां – बाप
- सास – ससुर

उत्तर 5–

- नरक – करन (व्यक्तिवाचक संज्ञा)
- नव – वन (व्यक्तिवाचक संज्ञा)
- ज़ाम – मज़ा (भाववाचक संज्ञा)
- मरा – राम (वक्तिवाचक संज्ञा)
- गल – लग (भाववाचक संज्ञा)

(भाववाचक संज्ञा)

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उत्तर 6-

- सतलुज – शतद्रूम
- रोपड़ – रूपपुर
- झेलम – वितस्ता
- चिनाब – विपाशा
- अजमेर – अजय मेरू
- बनारस - वाराणसी

उत्तर 7–

वाक्य विश्लेषण

- मै कल शायद ही पाठशाला जाऊं। मैं कल शायद पाठशाला न जाऊं।
- तुम्हे शायद ही इस बात की जानकारी तुम्हे शायद इस बात की जानकारी न हो।

हो।

- बच्चे आज शायद ही यहां खेलें। बच्चे शायद आज यहां न खेले।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in